CBSE Class 12 भूगोल भाग – 2

पाठ – 4 मानव बस्तियाँ

पुनरावृति नोटस

अवधारणा मानचित्र

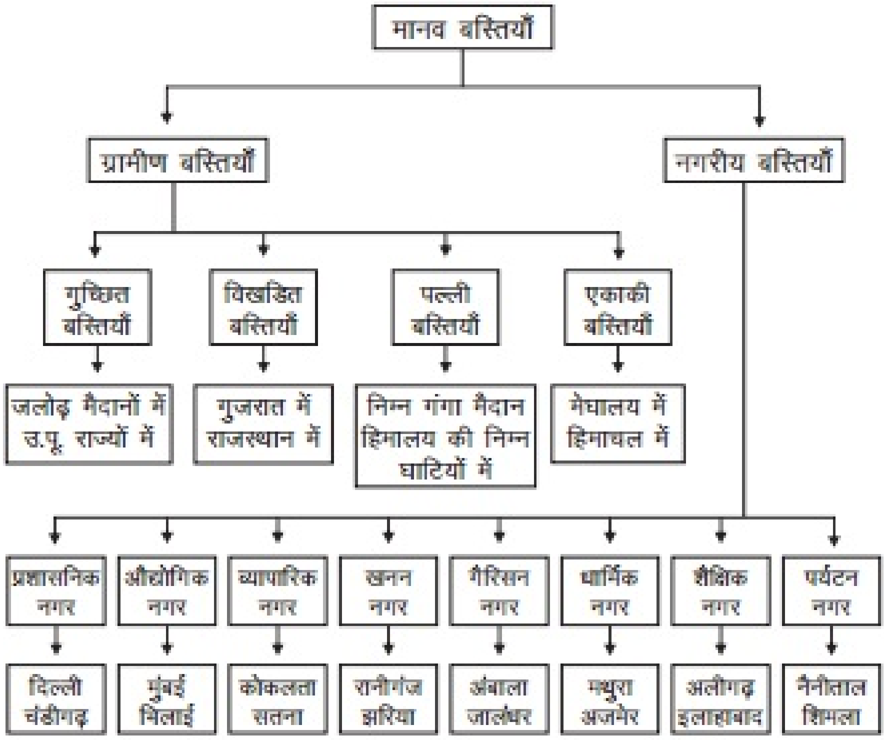

पाठ एक नजर में

मुख्य बिंदु

- मानव ने सभ्यता के विकास के साथ-साथ अपने निवास के लिए घर बनाए। मानव के इन्हीं घरों के समूह को एक बस्ती की संज्ञा दी जाती है।
- एक साधारण गांव से लेकर महानगरीय विस्तार तक को बस्ती की संज्ञा दी जाती है।
- बस्तियों को मुख्य रूप से दो वर्गों में रखा जाता है:- ग्रामीण एवं नगरीय।
- ग्रामीण बस्तियों को उनकी बनावट एवं संरचना के आधार पर कई प्रकारों एवं प्रतिरूपों के अंतर्गत रखा जा सकता है।
- नगरीय बस्तियों को भी उनके बसने के काल एवं उनमें होने वाले प्रमुख कार्यों के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है।
- भारत के जनसंख्या के आधार पर नगरों को छह वर्गों में रखा गया है।
- भारत में नगरीय संकुल में तेजी से वृद्धि हो रही है।
- ग्रामीण बस्तियाँ मुख्यत: चार प्रकार की होती हैं गुछित अर्थ गुच्छित, पल्लीकृत और एकाकी ।
- गुच्छित अथवा संकुचित या आकेन्द्रित बस्तियों में मकान एक मार्ग के किनारे किनारें आपस में एक दूसरे से सटे हुए. तथा

संकुलित रुप में निर्मित होते हैं। इस प्रकार की बस्तियाँ उपजाऊ मैदानों में व उत्तरी पूर्वी राज्यों में पायी जाती हैं।

- अर्धगुच्छित अथवा विखंडित बस्तियाँ छोटे-छोटे झुंड़ों में गुक्ति रुप में पायी जाती हैं । इस प्रकार की बस्तियों में पूरा गाँव घरों के छोटे-छोटे समुहों में गुच्छित होता है। यह जातीय व सामाजिक किसी भी कारण से हो सकता है।
- एकाकी बस्ती, प्रारुप सुदूर जंगल में एकाकी झोपड़ी अथवा कुछ झोपड़ियों की पल्ली के रूप पहाड़ी ढालों पर खेतों अथवा चरगाओं के रूप में देखी जा सकती है |
- भारत में नगरों का इतिहास प्राचीन काल का ही है सिंधु घाटी सभ्यता के नगर हड़प्पा, मोहनजोदड़ों इनके उदाहरण रहे है।
- पाटलीपुत्र, प्रयाग, मदुरई भारत में प्राचीन नगरों के प्रमुख उदाहरण है ।
- भारत में हैदराबाद, जयपुर, आगरा, नागपुर प्रमुख किला नगर है ये मध्यकालीन नगरों के उदाहरण हैं ।
- सूरत, गोआ, पांडिचेरी भारत में अंग्रेजों द्वारा विकसित आधुनिक नगरों के छदाहरण हैं।
- सन् 2011 की जनगणना कें अनुसार, भारत में नगरीकरण का स्तर 31.16% हो गया हैं, जो 2001 में 28% था |
- भारत में 1 लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगर को प्रथम वर्ग का नगर, 10 लाख से 50 लाख तक जनसंख्या वाले नगर को महानगर तथा 50 लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगर को मेगा नगर कहा जाता है |
- भारतीय नगरों को उनके विकास के विशिष्ट गुणों के आधार पर तीन वर्गों में रखा जाता हैं -

  क) प्राचीन नगर

  ख) मध्यकालीन नगर

  ग) आधुनिक नगर
- भारत में 60 प्रतिशत नगरीय जनसंख्या प्रथम श्रेणी के नगरों में निवास करती है |
- 1 करोड़ 64 लाख जनसंख्या के साथ बहुत जमशैदपुर, भिलाई औद्योगिक नगरों के उदहारण है |
- कांडला, विशाखापट्नम मुगालसराय प्रमुख परिवहन नगर रानीगंज और डिगबोई प्रमुख खनन नगर है |
- गैरिसन नगर को छावनी नगर भी कहा जाता है अम्बाला जालंधर ऐसे नगरों के प्रमुख उदहारण है |
- कुछ पुराने नगरों तथा महानगरों के चारों और नगरों का विकास हुआ है जिन्हें अनुषंगी नगर कहा जाता है दिल्ली के चारों ओर गाजियाबाद, रोहतक, गुडगाँव इसी प्रकार के नाग्रोंके उदाहरण है |